

कार्यवाही विवरण

अनुपालना के
क्रमांक व दिनांक

18/12/23 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी वकील
को अवकाश/अन्यकार्य में व्यस्त होने से पत्रावली
को दिनांक 7/2/24 को पेश किया।

7/2/24 पत्रावली पेश हुई। पत्रावली दिनांक 11/5/22
से शा.वा. के स्तर पर लंबित है।
आवृत्त चालना हेतु आशंका दिनांक
26/3/24 को पेश हो। लगभग 2 वर्षों तक अवसर
दिए जाने के बावजूद आज दिनांक तक शा.वा.उभय
पुर विचाराधीन है। नवंबर से कोई काब्रॉई
है कि वादी वाद में न्यायलोक से कोई काब्रॉई
नहीं चाहता। फिर भी न्यायलोक में अंतिम
अवसर दिया जाता है। अं. 7/2/24.

26/3/24: पत्रावली पेश हुई। वकील उमर पत्रावली
वकील वादी लंबित हेतु अवसर पाते हैं। वकील
अवसर इस आशंका के साथ डिफरेंस है।
वही आशंका रही है। पत्रावली को पेश नहीं करने पर
वकील उमर पत्रावली दिनांक 23/4/24
को पेश है।

23/4/24 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी ने
पत्रावली में NO instruction कर
आगे नहीं चलाया जा रहा है।
अतः पत्रावली को आगे चलाने
का कोई औचित्य नहीं है। पत्रावली
इसी स्तर पर रवारिज को
जाती है। पत्रावली के कल सुधार
हेतु पर दर्ज नम्बर से काम हो
तब वाद तत्कालीन जाता परिवर्तन
दफतर है।

पुनश्च:-

पत्रावली में वकील वादी ने 'No instructions'
लिख कर वादी की ओर से इसे छोड़

No Instruction

23/4/24



आदेश

कार्यवाही विवरण

द्विपक्ष चेंद्री नदी येका अंतिम ठिया हें।
 इतके वाड फावती नें उजवाड के नाम से
 आवाज लावार्इ गड केडि नारी न तो
 (नदी उपखिंत नरी) दुआ न ही उरकी अर
 ले अज्य होई आधिपत्या उपखेड आये।
 बा-सा-सु-सु-सु-सु आवाजे लाने
 के वाड नी कोई टाजेर वारी ही अर-
 फावती ही अर अर अर अर अर अर
 के खासि अदिना फार ही फावती
 फे अर अर अर अर अर अर अर
 दाखिल वरु हो- दुआ अर
अर/अर

Handwritten notes in the left margin, including the word "प्राप्ति" (Prapti).

Faint, illegible handwritten text in the bottom half of the page, possibly bleed-through or very light writing.